B.S.E.R. H

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)　　　　क्रम संख्या 22775

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ✗

विषय इतिहास

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 18/03/2024

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	14	19	3
2	7	20	4
3	10	21	4
4	2	22	5
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3		
18	3	80	अस्सी

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 31200

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

i) (ब) राजस्थान

ii) (अ) दो

iii) (अ) चीन

iv) (स) सातवाहन

14

v) (द) ~~24~~ 23

vi) (i) फ्रांस्वा बर्नियर - फ्रांस (ii) इब्न बतूता - मोरक्को (iii) पीटर मुंडी - जर्मनी (iv) मार्को पोलो - इटली

vii) (स) फ्रांस्वा बर्नियर

viii) (अ) दिल्ली

ix) (ब) 1336

x) (अ) यूनानियों के लिए।

xi) (ब) 1793

xii) (द) जालियांवाला बाग हत्याकाण्ड

xiii) (ब) 11

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(xiv)	(स) बी. एन. राव
	(2)	रिक्त स्थान —
1	i)	सिन्धु घाटी सभ्यता में बाट सामान्यतः चर्ट नाम के पत्थर से बनाये जाते थे।
1	ii)	मंदसौर को पहले दसपुर के नाम से जाना जा
1	iii)	बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है।
1	iv)	हम्पी के भग्नावशेष 1800 ई. मे एक अभियंता तथा पुराविद कॉलिन मैकेन्जी द्वारा प्रकाश मे लाए गए थे।
1	v)	1860 के दशक से पहले ब्रिटेन मे कच्चे के तौर पर आयात की जाने वाली सम कपास का तीन-चौथाई भाग अमेरिका आता
1	vi)	सहायक संधि लॉर्ड वेलेजली द्वारा 1798 मे तैया की गई।
1	vii)	13 दिसम्बर 1946 को पं. जवाहर लाल नेहरू संविधान सभा के सामने 'उद्देश्य प्रस्ताव' पे किया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(3)	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न —
1	i)	हाँ सिन्धुघाटी वासियों का सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क था क्योंकि ताँबा दक्षिण छोर के ओमान से मँगाया जाता था ओमान के ताँबे और हड़प्पाई मर्तबान में निकल के अंश पाये।
1	ii)	पाटलिपुत्र को वर्तमान में पटना कहा जाता है।
B 1	iii)	मातृनामिकता का अर्थ : शासकों को मातृ नामों से चिन्हित किया जाता था। मातृसत्तात्मक शासन व्यवस्था।
1	iv)	इब्न बतूता के अनुसार दावा पैदल संचार व्यवस्था थी।
1	v)	शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह दिल्ली शहर में है।
1	vi)	गोपुरम् विजय नगर के मंदिरों के बड़े दरवाजों को कहा जाता है।
1	vii)	मुकद्दम या मंडल शब्द ग्राम पंचायतों में मुखिया के लिए प्रयोग में लाया जाता था।
1	viii)	1929 में काँग्रेस का लाहौर अधिवेशन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि जवाहर लाल नेहरू द्वारा 'पूर्ण स्वराज्य' की माँग की गई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	ix)	गरीबों के साथ अपना तादात्म्य स्थापित करने के लिए साधी कप साधे कपड़े पहने और अन्य नेताओं से अलग लोगों के बीच मे रहे।
1	x)	राष्ट्रीय ध्वज के प्रस्ताव को पं० जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा मे पेश किया

खण्ड - ब

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	4	मेरे विचार से सिन्धु घाटी सभ्यता का अंत निम्न कारणों से हुआ होगा।
	i)	प्राकृतिक आपदाओं के कारण :- प्राकृतिक आपदाओं के कारण सिन्धु सभ्यता का अंत हुआ। पेड़ा की कटाई के कारण वातावरण मे नमी के कारण सिन्धु सभ्यता का अंत हुआ।
	ii)	सिन्धु सरस्वती नदी द्वारा मार्ग परिवर्तन :- सिन्धु सरस्वती नदी द्वारा मार्ग परिवर्तन के कारण भी सिन्धु घाटी सभ्यता का अंत हुआ होगा। इन नदियो का मार्ग परिवर्तन इस सभ्यता के अंत का कारण बना होगा।
2	5	सिक्को या अभिलेखो द्वारा हमे कई प्रकार की ऐतिहासिक जानकारियाँ प्राप्त होती है। जिससे हम अपने इतिहास के बारे मे जानकारी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्राप्त कर सकते है। इससे हमे शासको की उपलब्धि तथा शासको के क्रिया कलापो के बारे मे पता चलता है। सिक्को से हमे अपने इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है और हम अपने इतिहास को जान सकते है। सिक्को से राज्य के क्रियाकलापो और व्यवस्था का पता चलता है।

(6) स्त्रीधन :- स्त्रीधन वह होता है जो स्त्रियों को अपने विवाह मे अग्नि के समक्ष माता-पिता द्वारा उपहार या भेंट के रूप मे जो धन दिया जाता है उसे स्त्रीधन कहते है। स्त्रियाँ अपने अनुरागी पति से भेंट के रूप मे धन अर्जित कर सकती है। मनुस्मृति मे स्त्रियों के धन अर्जित करने के छः तरीको के बारे मे बताया गया है। इन छः माध्यमो से स्त्रियाँ धन अर्जित कर सकती थी। स्त्रीधन पर पुरूषो का कोई अधिकार नही होता था। स्त्रियों का धन संतान विरासत के रूप मे प्राप्त कर सकती थी।

(7) दो स्तूपो के नाम :-
(i) अमरावती का स्तूप (ii) साँची का स्तूप

(i) अमरावती का स्तूप :- अमरावती स्तूप के खोज पहले हुई। इसकी खोज पहले होने के कारण ये नष्ट हो गया।

(ii) साँची का स्तूप :- साँची का स्तूप बचा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		रह गया क्योंकि आज यह मुगल बेगमों की वजह से सराहनीय है।
2	8.	इब्न बतूता ने वानस्पतिक उपज 'पान' का चित्रण किया है जिसमे इब्न बतूता लिखता है पान के पत्तो को अंगूर लताओ की तरह उगाया जाता है। पान की तुलना बतूता ने अंगूर लताओ से की। पहले सुपारी को मुँह मे रखा जाता है और उसे चबाया जाता है बाद मे पान के पत्ते को मुँह मे डालकर उसे सुपारी के साथ मे चबाया जाता है। इस प्रकार इब्न बतूता ने पान का वर्णन किया।
2	9.	मेरे विचार से चिश्ती सिलसिले को उनके विचारो और उनके सिद्धान्तो ने चिश्ती सिलसिले को महान बनाया। जो कि निम्न प्रकार है।
	i)	चिश्ती समुदाय के लोग संगीत को ज्यादा महत्व देते थे। कव्वालियो द्वारा नित्य नृत्य करके अल्ला तक पहुँचना।
	ii)	चिश्ती सम्प्रदाय के लोग राजनीतिक गतिविधियो से दूर रहते थे।
	iii)	मेरे विचार से चिश्ती लोगो के सादगी और संयम वाले जीवन ने चिश्ती सिलसिले को महान बनाया।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1+1 10. विजयनगर साम्राज्य के केन्द्री दो राजकीय केन्द्रो के नाम :—

i) कमल लोटस :— कमल लोटस विजयनगर साम्राज्य के केन्द्र मे स्थित है जो अपनी कलाकृति और उसकी सुंदर बनावट के लिए प्रसिद्ध है। सम्भवत: यहाँ राजाओ की न्याय परिषद् थी।

ii) हजारराम मंदिर :— हजारराम मंदिर भी विजयनगर साम्राज्य के केंद्र मे स्थित है जो अपनी विशेष कलाकृति के लिए प्रसिद्ध है।

1+1 11. मुगलकालीन साम्राज्य मे कई प्रकार की खेती की जाती थी।

i) पोलज :— पोलज के अंतर्गत जमीन पर हर वर्ष खेती की जाती थी। हर वर्ष अलग-अलग खेती की जाती थी।

ii) परौती :— परौती पर कृषि करके उसे एक या दो वर्षों के लिए खुला छोड़ दिया जाता था ताकि वह अपनी उर्वरता को पुनः प्राप्त करले।

---

2 12 दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट इतिहासकारो को कई प्रकार की जानकारियाँ उपलब्ध करवाती है। दक्कन दंगा आयोग रिपोर्ट सन 1878 मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पेश की गई थी। यह रिपोर्ट उस समय हुए दंगो की जानकारी बताती है। यह यह समय हुए व मुम्बई दंगो की जानकारी बताती है।

(1+1) (13.) 'उपनिवेशवाद और देहात' नामक अध्याय मे

(i) कुदाल, पहाडियाँ लोगो द्वारा इस्तेमाल किया जाता था। कुदाल पहाडियाँ लोगो के जीवन का आधार था।

(ii) संथालो द्वारा हलो का प्रयोग किया था। हल को संथालो का जीवन प्रतीक माना गया था। संथाल कृषि मे हलो का प्रयोग करते थे।

(1+1) (14.) सहायक संधि की दो शर्ते :-

(i) जो रजवाडे ब्रिटिश लोगो के साथ संधि करेगा उसके राज्य मे ब्रिटिश टुकडियाँ तैनात रहेगी।

(ii) संधि करने वालो को कोई भी निर्णय बिना ब्रिटिश शासन के बिना नही लेना था।

(1+1) (15.) संविधान सभा मे अस्पृश्यता हेतु दिए गए - दो सुझाव

(i) पृथक निर्वाचिका का सुझाव दिया गया, लेकिन इससे अल्पसंख्यक बहुसंख्यको से कट जाते। इसलिए

(ii) इनके लिए कई प्रयास किए गए। इनको आरक्षण दिया गया।

Sl.No. : 283

-13-Hist.

उत्तर- 22

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2024

इतिहास

HISTORY

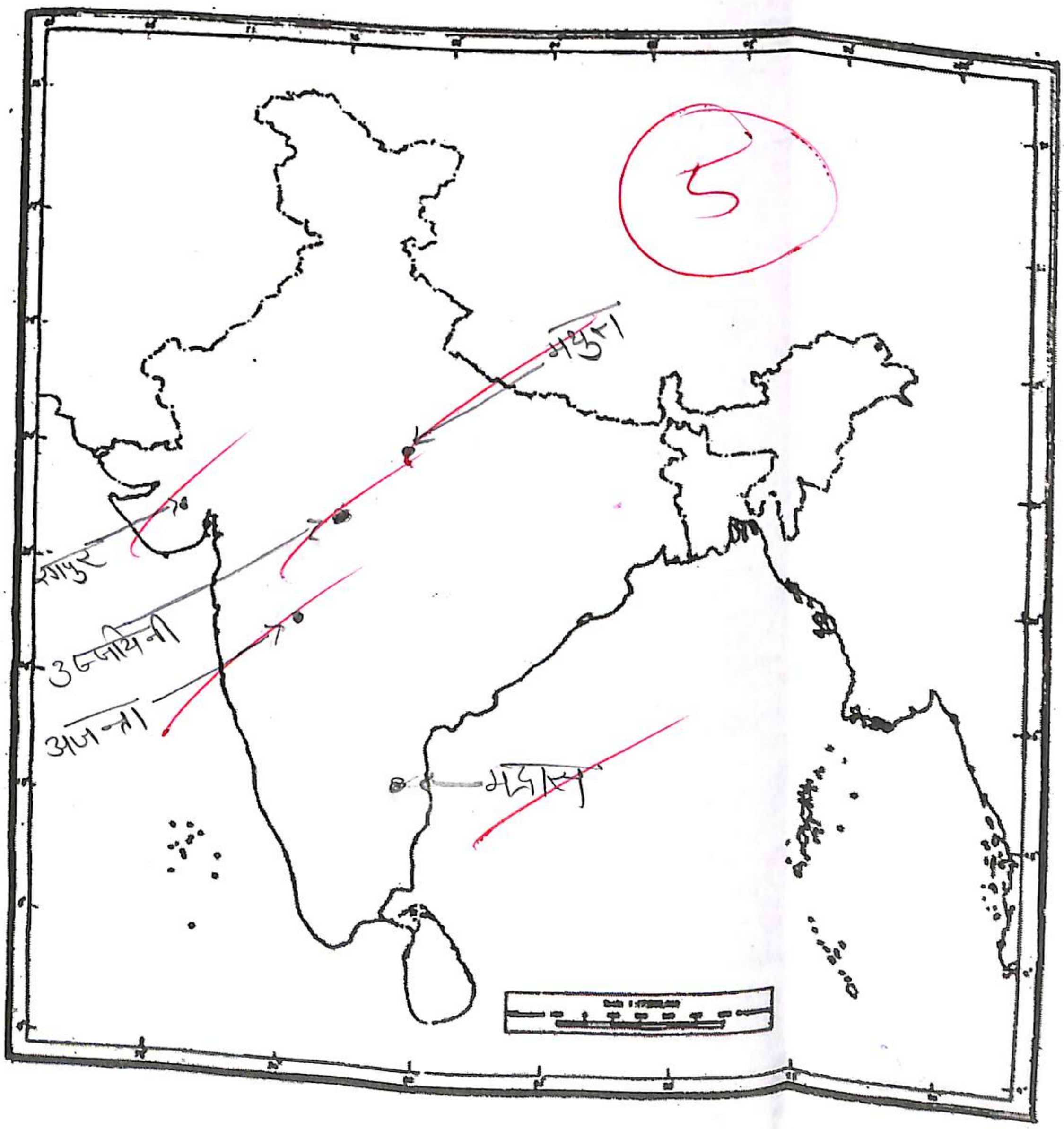

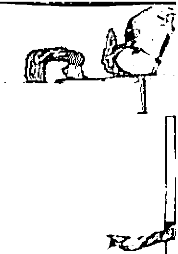

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

3 (16) मौर्य वंश की जानकारी के स्त्रोत :-

(i) मेगस्थनीज राजदूत के विवरणो :- मौर्य वंश की जानकारी मेगस्थनीज राजदूत के द्वारा रचित किताब इण्डिका से प्राप्त होती है। इसमे मौर्य वंश की सामाजिक और राजकीय व्यवस्था का वर्णन है।

(ii) अर्थशास्त्र :- कौटिल्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र से भी हमे मौर्य वंश के बारे मे जानकारी प्राप्त होती है। जिसमे मौर्यकाल की राजनीतिक व्यवस्था, राज्य का विवरण मिलता है। जो जानकारी का स्त्रोत है।

(iii) अभिलेखो द्वारा :- अशोक ने अपने संदेशो को अभिलेखो पर उत्कीर्ण करवाया जिससे हमे राज्य की स्थितियों जनता के बारे मे पता चलता है। अभिलेखो मे अशोक द्वारा जनता को दिये गये निर्देशो के बारे मे पता चलता है।

(iv) जैन और बौद्ध धर्म से :- जैन और बौद्ध धर्मो के ग्रंथो से भी हमे मौर्यकाल की जानकारी मिलती है। जिसमे अशोक का वर्णन है।

BSER-175/2023

10

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	17.	बौद्ध दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं का वर्णन
	i)	जाति प्रथा का विरोध :- बौद्ध धर्म मे जाति प्रथा का विरोध किया, जाति प्रथा को नकारा। इसमे सभी जाति के लोगो को समान व्यवहार व सम्मान दिया गया।
	ii)	बाह्य आडंबरो और यज्ञो का विरोध :- बौद्ध धर्म मे धर्म अनुष्ठानो, यज्ञो और बाह्य आडंबरो का विरोध किया गया।
	iii)	पुर्नजन्म और कर्मवाद मे विश्वास :- बौद्ध धर्म मे पुर्नजन्म और कर्मवाद मे विश्वास किया जाता है। कर्मो के ऊपर बल दिया गया है।
	iv)	ध्यान और सतकर्मो पर बल :- बौद्ध धर्म मे ध्यान और तपस्या से संसार से मुक्ति का मार्ग बताया है। और सत्कर्मो पर बल दिया है।
3	18.	मुगलकालीन भारत मे कभी-कभी किसानो

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

और दस्तकारो के बीच फर्क करना मुश्किल होता था। क्योंकि :-

(i) मुगलकाल मे कृषि को ज्यादा महत्त्व दिया गया। लोगो द्वारा कृषि की जाती थी।

(ii) कभी-कभी कृषि करने वालो से दस्तकार ज्यादा प्रतीत होते थे। गाँव मे कृषि करने वालो से ज्यादा दस्तकारो की संख्या थी।

(iii) दस्तकार मे कुम्भकार, जुलाहे, मटके बनाने वाले, कपडे बुनने वाली स्त्रियां, रंगरेजी करने वाले, नाई, कई प्रकार के दस्तकार थे।

(iv) दस्तकारो मे महिलाएँ भी कपडो की बुनाई-कताई करने मे भूमिका निभाती थी।

(v) महिलाओ द्वारा पुरुषो से कंधे से कंधे मिलाकर काम करा जाते थे। चाहे वो कृषि के क्षेत्र मे हो या दस्तकारो के कार्य।

(3) 19. 1857 की अफवाहो पर लोग के विश्वास करने के कारण :-

(i) अफवाह का स्रोत :- जब एक खलासी द्वारा पानी मांगने पर एक ब्राह्मण ने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पानी पिलाने से इंकार कर दिया यह कहकर कि तुम नीची जाति के हो तो उसने जवाब दिया कि थोड़े दिनो मे तुम्हारा भी धर्म भ्रष्ट होने वाला है। तुम्हारा भी धर्म भ्रष्ट हो जायगा कि कारतूसो मे गाय और सुअर की चर्बी लगी हुई है।

(ii) बेंटिक के सुधार :- उन दिनो बेंटिक के सुधार ने भी लोगो को यह विश्वास दिलाया कि अफवाहे सच है। लॉर्ड बेंटिक द्वारा पाश्चात्य शिक्षा का विस्तार व सती प्रथा को समाप्त करने जैसे सुधारो ने अफवाह को हवा दी।

(iii) लोगो का भय :- लोगो के मन मे उन दिनो यह भय व्याप्त था कि ब्रिटिश शासक ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे है। लोगो को यह डर था कि ब्रिटिश शासक उन्हे ईसाई बना देंगे।

(iv) आटे मे गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा :- लोगो द्वारा यह अफवाह फैली की आटे मे गाय और सुअर की हड्डियो का चूरा मिला हुआ है।

13

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

~~(20) (i) प्रस्तावना :- बाबा गुरु नानक नवीन धर्म के संस्थापक माने जाते है।~~

(4)

20. (i) प्रस्तावना :- अलवार और नयनार के महान विचारों ने लोगों को प्रभावित किया। अलवार विष्णु भक्त थे और नयनार शिव के भक्त थे। इन दोनों के भक्तों ने लोगों को प्रभावित किया।

(ii) अलवार और नयनार संतो के विचार :- अलवार और नयनार संतो ने लोगों को प्रभावित किया। और ब्राह्मणों को चुनौती दी।

(i) अलवार और नयनार संत विभिन्न समुदायों से आते थे। यह संत विभिन्न समुदाय और कहीं-कहीं निम्न जाति के लोग भी इन संतो में आते थे।

(ii) इन्होंने जाति व्यवस्था का विरोध किया तथा तथा विभिन्न अछूत जाति के लोगों को शरण दी। इन्होंने अपने तमिल काव्य संकलनों को वेदों जितना महत्वपूर्ण बताया।

(iii) इनके काव्य संकलन जैसे 'नलायिरादिव्यप्रबंधनम्' जैसे तमिल काव्य संकलनों को ब्राह्मणों द्वारा रचित वेदों ~~से भी~~ जितना महत्वपूर्ण बताया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) वीरशैवो परंपरा के द्वारा ब्राह्मणीय व्यवस्था को चु
दी :— बासवन्ना द्वारा वीरशैव परम्परा
से व्याप्त व्यवस्था को चुनौ
मिली। इन्होंने जाति व्यवस्था का
विरोध किया तथा सती प्रथा जैसी
प्रथाओं का विरोध किया और विध
विवाह पद्धतियों पर बल दिया।

* मेरे विचार से इन स
चीजो के कारण अलव
और नयनार संतो के विचारो ने लो
को प्रभावित किया।

(iv) इन्होंने जाति व्यवस्था को नकारा और
को महत्व दिया।

5 (क) भारत छोड़ो सविनय अवज्ञा आंदोलन :—

(i) साइमन कमीशन का विरोध :— जब सा
कमीशन मुंबई
पहुँचा तो लोगो ने उसका विरोध कि
क्योंकि उसमे भारत का एक भी स
शामिल नही था। और लोगो ने स
कमीशन गो- बैक का नारा दिया।

(ii) गाँधीजी द्वारा नमक कानून तोड़ना :— गाँधी
नमक
अधिकार का विरोध करते थे। गाँध

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

को नमक कानून सबसे द्योतेत लगता था।
सन 1930 मे गांधीजी ने अपने 78 अनुयायियो के साथ नमक यात्रा शुरू की। और 24 दिन मे दाण्डी पहुँचे। दाण्डी पहुँचकर गांधीजी ने नमक बनाया और नमक कानून को तोड़ा।

(iii) कॉलेजो और स्कूलो संस्थाओ का बहिष्कार :- लोगो ने कॉलेजो और संस्थाओ का बहिष्कार कर दिया। छात्रो ने आंदोलन शुरू कर दिए और कॉलेजो का बहिष्कार किया।

(iv) सरकारी पदो का त्याग और अदालतो का बहिष्कार :- लोगो द्वारा सरकारी पदो का त्याग और वकीलो के द्वारा अदालतो का बहिष्कार किया जा रहा था।

(v) सरकारी कर्मचारियो द्वारा विरोधी प्रदर्शन :- सरकारी कर्मचारी द्वारा कई विरोधी प्रदर्शन किये गये। लोगो द्वारा आंदोलन हुए। सरकारी अध्यापको ने स्कूलो को छोड़ दिया, वकीलो द्वारा अदालतो का बहिष्कार किया गया। लोगो द्वारा सरकारी नौकरियो को त्याग दिया गया। लोगो द्वारा कई विरोधी प्रदर्शन किये गए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(vi)	सविनय अवज्ञा आंदोलन का महत्व :- (i) सविनय अवज्ञा आंदोलन मे लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।
		(ii) स्त्रियो ने भी इसमे बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दुकानो पर धरना दिया।
		(iii) अंग्रेजो को अब पता चल गया था कि अब उनका राज खत्म होने वाला है।

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023